Total Pages : 3 **Roll No. -------------**

MAJY-603

ज्योतिष प्रबोध–01

एम0ए0 ज्योतिष (MAJY-20/21)

तृतीय सेमेस्टर, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. दिक् साधन का वर्णन कीजिये।

P.T.O.

Q.2. स्वकल्पित लग्न का आनयन कीजिये।

Q.3. आर्यभट्ट एंव वराहमिहिर का परिचय दीजिये।

Q.4. भास्कराचार्य एंव गणेश दैवज्ञ के व्यक्तित्व एंव कृतित्व पर प्रकाश डालिये।

Q.5. अक्षक्षेत्र का परिचय दीजिये।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. अयनांश से क्या तात्पर्य है?

Q.2. यदि पलभा का मान 6/10 है तो चरखण्ड साधन कीजिये।

Q.3. आचार्य कमलाकर भट्ट एंव बापूदेव शास्त्री का परिचय दीजिये।

Q.4. मुरलीधर ठाकुर एंव गंगाधर मिश्र के कृतित्व पर प्रकाश डालिये।

Q.5. सुधाकर द्विवेदी जी का ज्योतिष में क्या योगदान है?

Q.6. सिद्धान्त ज्योतिष का महत्व प्रतिपादित कीजिये।

Q.7. वटेश्वर एंव श्रीपति के ग्रन्थों की संक्षिप्त समीक्षा कीजिये।

Q.8. 'सिद्धान्तदर्पण' ग्रन्थ का लेखन किसने किया? ग्रन्थ का वैशिष्ट्य बतलाइयें।

****